● **पढ़ो, समझो और आपस में श्रुतलेखन करो :**

१६. बचाव

भूकंप

पृथ्वी के भीतर चट्टानों की परतों के आगे-पीछे खिसकने से धरती हिलने लगती है । यही भूकंप है । इससे छत, दीवारें आदि गिरने लगती हैं । ऐसे समय हमें तुरंत घर के बाहर खुली जगह में आ जाना चाहिए या मेज, लकड़ी के तख्त के नीचे, दरवाजे के पीछे छिपना चाहिए ।

बाढ़

लगातार अधिक बारिश होने पर नदी-नाले पानी से भरकर बहने लगते हैं । नदी के आस-पास के गाँवों, बस्तियों, इमारतों आदि में पानी भरने लगता है । फसलें नष्ट हो जाती हैं । यही बाढ़ है ।

पानी के बढ़ने की सूचना प्राप्त होते ही हमें सुरक्षित स्थान पर पहुँच जाना चाहिए ।

त्सुनामी

समुद्र के तल में भूकंप आने पर ऊँची-ऊँची लहरें उत्पन्न होती हैं । यही त्सुनामी है ।

त्सुनामी की सूचना मिलते ही तटवर्ती प्रदेश में रहने वाले लोगों को तुरंत ही सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए । हमें समुद्र तट को पाटकर बस्तियाँ नहीं बनानी चाहिए । त्सुनामी की पूर्व सूचना देने वाले यंत्र आजकल विकसित हो रहे हैं ।

प्राकृतिक विपदाएँ कौन-कौन-सी हैं, लिखो ।

❑ विद्यार्थियों से परिच्छेद का वाचन करवाकर श्रुतलेखन कराएँ । पाठ में आए और अन्य विभक्ति चिह्नों को समझाएँ । प्राकृतिक आपदाओं के कारणों और उनसे बचाव के तरीकों पर चर्चा करवाएँ । किसी एक आपदा पर आठ से दस वाक्य लिखवाएँ ।